



Subject :- सामान्य हिंदी

Topic:- हिंदी व्याकरण

Class :- 12th (11th वाले भी देखें)

V. Most. Imp.

अनेकाथी

वाक्यांश के लिए शब्द  
समोच्चारित शब्द

स्वर सान्धे (All Practice)



ज्ञानसिंधु कोचिंग क्लासेज

Arunesh sir (Lecturer-Hindi)



(सन्धि विच्छेद)

हिमालयः — हिम + आलयः (दीर्घ)

देवालयः — देव + आलयः (दीर्घ)

विद्यालयः — विद्या + आलयः (दीर्घ)

• विद्यालयेऽग्निम् — विद्यालये + अग्निम् (पूर्वरूप)

परमार्थः — परम + अर्थः + परमार्थः (दीर्घ)



कवीश्वर — कवि + ईश्वरः (दीर्घ)

सूर्य + उदयः — सूर्योदयः (गुण)

वधूत्सवः — वधू + उत्सवः (दीर्घ)

रमेशः — रमा + ईशः (गुण)

महोत्सवः — मह + उत्सवः ⇒ गुण



देवर्षिः — देव + ऋषिः ⇒ गुण

मध्वारः — मधु + आरः ⇒ यण

इत्थारि — इत्ति + आरि = यण

यद्यपि — यद् + अपि = "

\* शायनम् — शे + अनम

↓  
अघारि

\* राजर्षि

↳ राजा + ऋषि

प्रभृत्येव → प्रभृति + एव (यण)

नाविकः — ना + इकः = अघारि ।

# शुक्लाम्बरम्  
शुक्ल + अम्बरम्  
दीर्घ



उपर्युक्त — उपरि + उक्त (यण) \* क्षीरनिधौ विव

पितृ + भाशा = पित्राशा (यण) क्षीरनिधौ + इव

देवेशः — देव + ईशः (गुण) अर्थात्

नर + इन्द्रः — नरेन्द्रः ⇒ गुण \* नयनम् ने + अनम्

भवनम् — भौ + अनम् — अर्थात् अर्थात्

भावनम् — भौ + अनम् — अर्थात्



महेश्वरः — महा + ईश्वरः (गुण)

नायिका — नै + इका (अप्राति) → गायिका — गै + इका

नायकः — नै + भक्तः → प्रायकः — पौ + भक्तः

पौ + भक्त — पवन

रक्षोपायः

पौ + भक्त — पावन

↓ रक्षा + उपायः → गुण

सुरेशः — सुर + ईशः (गुण)

स + अक्षरः = क्षारः

→ हीरक

शापकः — शै + भक्तः | शापिका = शै + इका

(अप्राति) →



स्वागतम् — सु + आगतम् (यण) आर्ति + आचारः  
↳ अर्चा + आचारः

सदाचारोपदेशः — सदाचार + उपदेशः (उण)

वल्लोत्सवः — वल्ल + उत्सवः → अर्चा

पद्मालयः — पद्म + आलयः (दीर्घ) कलाविव — कला + इव → दीर्घ

रमेश्वर — रमा + ईश्वरः → गुण उत्तीर्थापि — उत्तीर्थ + आपि

रामेश्वर — राम + ईश्वरः → गुण प्रत्यर्पण — प्रार्ति + अर्पण

यण



# (अनेकार्थी शब्द)

कौशिक < विश्वामित्र  
इन्द्र

अंचल < किंनर  
क्षेत्र

अनन्त < अन्तहीन  
आकाश

कंचन < क्षेत्र  
धन / ऐश्वर्य

भंश < हिस्सा  
डिग्री

कवि < काव्यकार  
जुद्धमान

कर < हाथ / टुकड़ा  
करना / किरण

भाली < भंवर  
सखी

अम्बार < वज्र  
आकाश

आग < जलक  
आजि  
गति

अर्थ < धन  
कारण

कल < स्रष्टा  
सृष्टि

कवि < वाक्  
दायी

कर्ण < कान  
कौशिक





गति -> चाल  
अवस्था / स्थिति

गुण -> रस्ती  
स्वभाव  
विशेषता

गुरु -> शिष्य  
बडा  
आचार्य

तात -> पुत्र / पिता / भाई

• जलज -> माती  
कमल

तीर -> किनारा  
बाण

• दण्ड -> डंडा  
सजा

• दल -> समूह  
सांख्य भाग

गोपाल -> गांधपालने वाला  
कृष्ण

गौ -> गेहूँ  
गाय

धनश्चाक -> काला बरिल  
श्रीकृष्ण

चपला -> विद्युत्  
लक्ष्मी





पञ्चोदर  
 वायु  
 समुद्र

बाल  
 केश (Hair)  
 बालक (बेटा)

मित्र  
 सूर्य  
 दोस्त  
 प्रेक्षक  
 वायु  
 साह

राग  
 पुम  
 राजिनी  
 जाने  
 बिलप

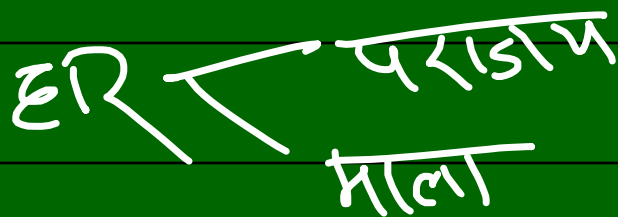
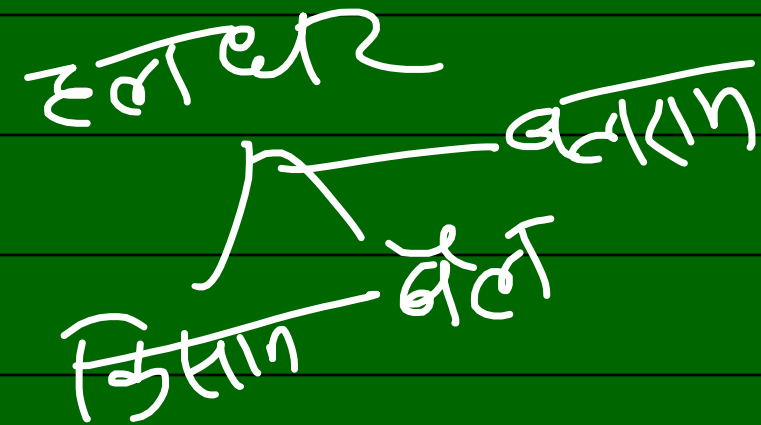
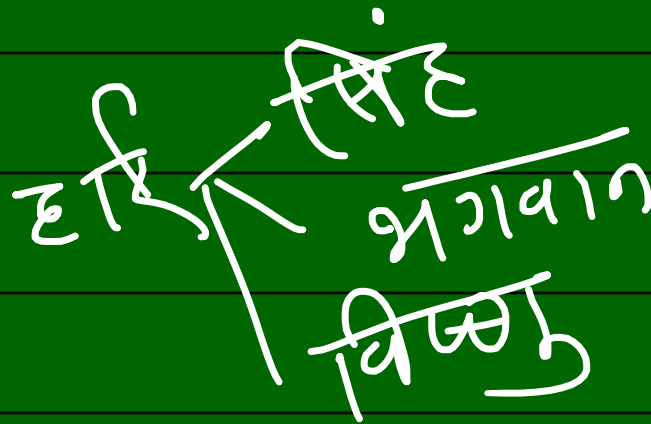
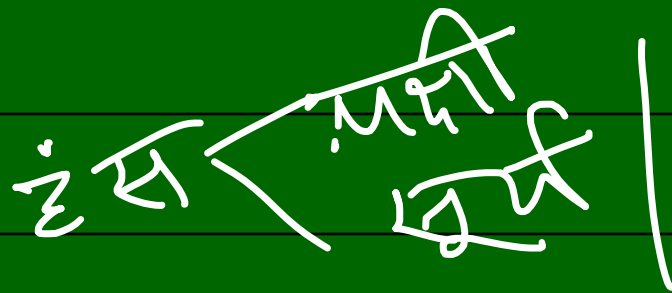
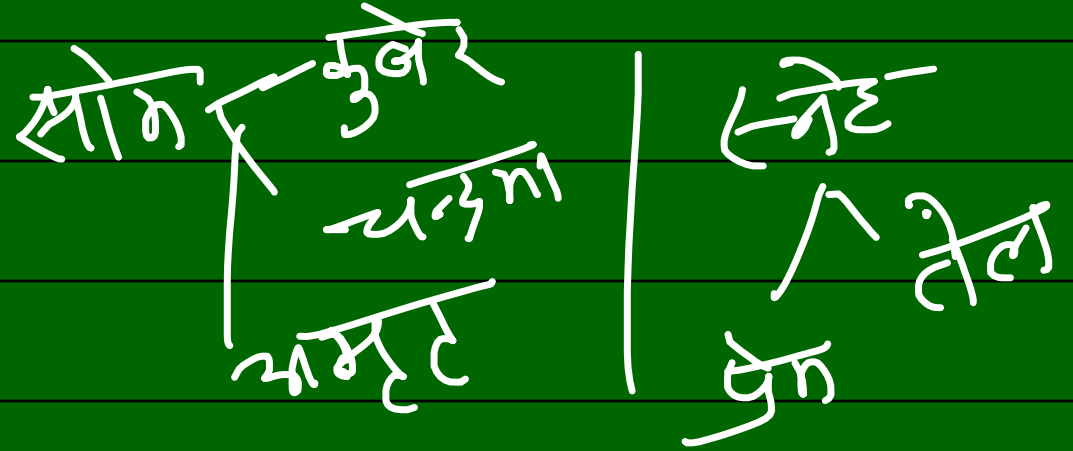
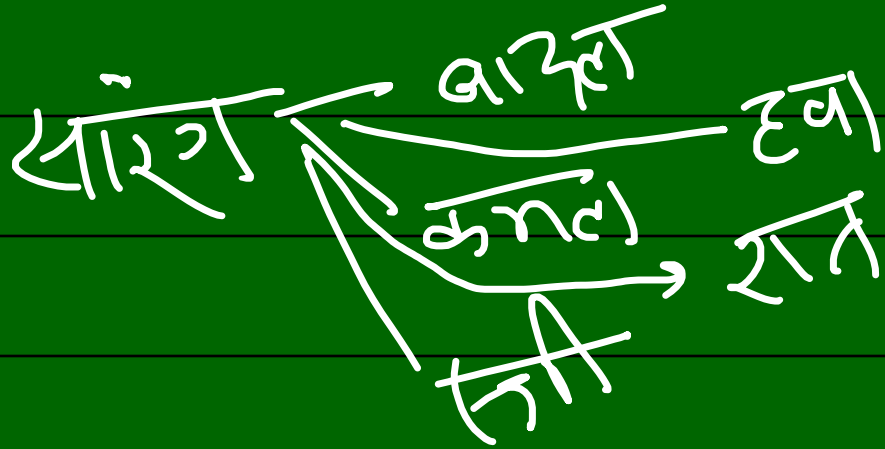
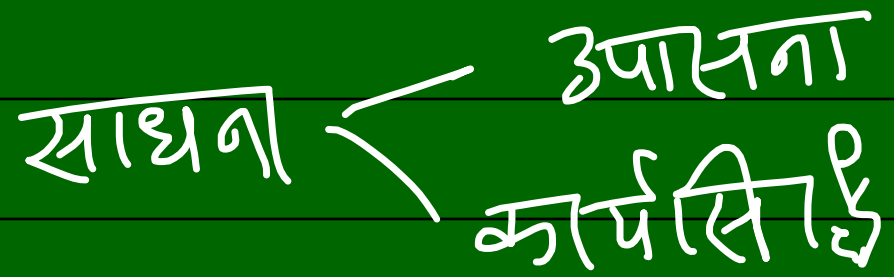
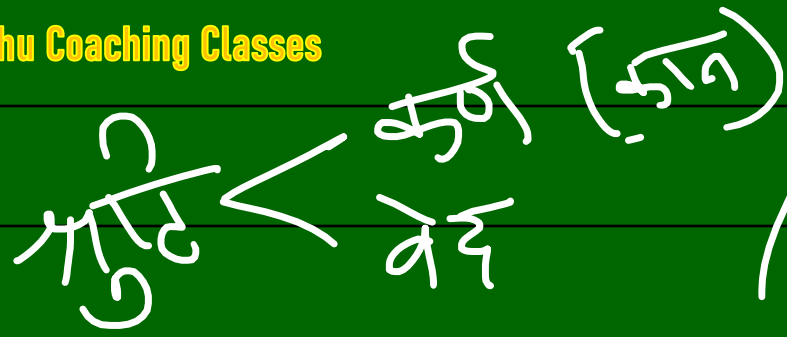
रस  
 आस्वादन  
 अर्क

वद  
 मोह  
 दुलहा  
 आशीर्वाद

वर्ण  
 रंग  
 जाति

विधि  
 गृहण  
 निपण  
 कात्र

शिव  
 शंकर  
 जलपात्र





# (वाक्यांश के लिए एक शब्द)

• अकारण्य — अ + कर्ण्य • अकर्णीय = अ + कर्णीय

• अगम्य • अगोचर • अच्युत • अज

• द्विज • अजात शत्रु • अजर • अजेय

• अज्ञेय • अण्डज • अतिथि • अतीन्द्रिय

• अतुलनीय • अरुण्य अति + शक्ति



- अदृश्य • अदृष्टपूर्व • अनासक्त
- अन् + आहूत (अनाहूत) • अनिर्वचनीय
- अनुमोदन (Approval) → समर्पण/सद्वर्णन
- अनुपम — अन् + उपम (तुलना) अत्युत्कृष्ट
- अंतरिक्ष — अन्तरिक्षात् अन्तरिक्षात्



- अन्योन्याश्रित
- अपवर्क → उल्कर्क
- अत्रिपुत्र ✓
- अक्षीप्रा - उल्कर अत्रिलाका
- नीचे खींचना
- अपलेंगत

• आजात बाद

• आलनदलु ✓

• अक्षी

• इतक आजात

• अरसिक

• अवलरकी

• आला लवर्ग

• आला + उल्करा



कर्त्तव्यानेशूः — कर्त्तव्य का बोधन हो  
किं कर्त्तव्य विशूः — क्या करे पद सारा

कृतज्ञ — उपकारभाननेवाम' ज्ञ भाए

कृतघ्न — न ॥

• दर्शनभावणे रक्षा

• विज्ञानसु / जितेंद्रिय

• नास्तिक / आस्तिक

• द्विद्वान्वेषी

• द्विडीगीषा

• निर्निमेष / अनिमेष

• यम्युकाव्य => गद्य + पद्य

• प्रत्याकर्त्त

• विशीर्ष

• पारुष

• पार्थिव





• शरणागत • शास्त्रज्ञ • सम्पादक • सवत्या

• विद्वान् • पुण्यवर्तक • कालजयी • प्रवासी

• प्रागैतिहासिक • गितशापी • गितव्यपी

• शतायु • गितशोधी • वाताकुशलि

• सद्यन्वाह • सद्यन्वात • सद्यपस्क



- जठराग्नि / जठराग्नल — पेट ही आग
- दावाग्नि / दावाग्नल — जंगल ही आग
- वडवाग्नि / वडवाग्नल — समुद्र ही आग
- सर्वज्ञ — सब कुछ जानने वाला
- अल्पज्ञ — कम " "



अमृत पूर्व — जो पहले व हुआ हो

• कुरुमाषी -

• क्षम्य

• सत्यनिष्ठ

| सत्पात्रही

| सत्पुत्र

~~निष्ठ~~

आत्र

↓  
पुत्र



Thanks  
For Reading  
US